मूल्य - 5 रुपये

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक

नवम्बर, 2014

वर्ष 3, अंक 4, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

आनंद वृद्धाश्रम में दीपावली की खुशियाँ श्रीमती प्रेम पोद्दार फुलझड़ी जलाते हुए

- आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

- आभार -

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

आनन्द वृद्धाश्रम में दीवाली उत्सव....

महत्वपूर्ण सूचना

तारा संस्थान में हमें कुछ दानदाताओं के फोन आए कि ''सर्वोदय मानव सेवा संस्थान'' नामक संस्थान से, जो उदयपुर हिरण मगरी में ही है, उन्हें फोन आया और दान के लिए कहा गया और उन्हें यह भी कहा गया कि ''सर्वोदय मानव सेवा संस्थान'' भी मेरे पिताजी कैलाश जी 'मानव' से ही जुड़ी है। हम यह बताना चाहते हैं कि यह जानकारी पूर्णतया असत्य है। सर्वोदय मानव सेवा का नारायण सेवा संस्थान, तारा संस्थान या डॉ. कैलाश जी 'मानव' से कोई संबंध नहीं है। अतः कृपया इस तरह के गलत फोन कॉल पर ध्यान न दें। पता करने पर ज्ञात हुआ कि श्री नन्द किशोर जी या नंदू काका ने सर्वोदय मानव सेवा के लिए इस तरह के कॉल किये थे। नंदू काका व सर्वोदय मानव सेवा के पदाधिकारियों को हमने गलत जानकारी देने के लिए मना कर दिया है।

कल्पना गोयल,
अध्यक्ष, तारा संस्थान

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ क्रमांक
आनंद वृद्धाश्रम में दीवाली आयोजन	-	*02*
अनुक्रमणिका	-	*03*
आनन्द वृद्धाश्रम में दीवाली उत्सव	-	*04*
हमारे प्रेरणा स्त्रोत	-	*05*
गौरी योजना	-	*06*
तृप्ति योजना	-	*07*
आनन्द वृद्धाश्रम के नये आवासी	-	*08*
मोतियाबिन्द जाँच ऑपरेशन हेतु चयन शिविर	-	*09-13*
हमारे दानवीर भामाशाह : एक परिचय	-	*14*
संस्थान में पधारे अतिथि महानुभाव का स्वागत सम्मान	-	*15-16*
Tara Contacts	-	*17*
Our Donor's	-	*18*
Tara's Bank Account Number	-	*19*

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में

तारांशु मासिक, नवम्बर, 2014

'तारांषु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

आनंद वृद्धाश्रम में दीवाली उत्सव

दीवाली उत्सव के फैशन शो में नेताओं के परिधान में आनंद वृद्धाश्रमरहवासी

मुझे मजा आ गया.....इतना आनन्द तो कभी–कभी ही मिलता है.....जब देखा कि एक के बाद एक हमारे सारे अकंल आन्टी रेम्प पर केटवॉक कर रहे है....

मौका था तारा संस्थान के दिवाली उत्सव का .....तारा संस्थान की चार टीमें बनाई गई थी और एक टीम में हमारे वृद्धाश्रम के सभी अंकल आन्टी थे.....रेम्प पर वॉक करते हुए वही चुलबुलापन उनकी अदाओं में था जो किसी भी अन्य युवक युवतियों में वहाँ दिख रहा था।

बकायदा रिर्हसल, ड्रेसिंग, म्युजिक.....मेक–अप, सभी में शरीर के मना करने पर भी मन ने नहीं मानी उनकी बात..... और शानदार प्रस्तुति आनन्द वृद्धाश्रम की तरफ से ....लगता है बस यही तो चाहिए था हमें कि वो दुखद यादे.....जो शायद हर पल डेरा डाले रहती थी और अब कुछ धुंधली पडीं है.....

इन दिनों इस उत्सव की भागीदारी में वो कहीं पीछे छूट गई होगी।

कुछ दिनों के लिए.....

कुल मिलाकर एक यही तो चाहिए हम सभी को ..... एक सुकुन उनकी मुश्किल वाली जिन्दगी में आ पाए.....

बस एक समस्या वृद्धाश्रम में यही है कि Couple के लिए अलग से कमरे नहीं हैं.....और अच्छा नहीं लगता जब Common room में उन्हें रहना पड़ता है.....पर ईश्वर सब सुनता है.....और ये बात भी उसने सुन ली है।

एक बडे दानदाता से बात चल रही है ..... इस बारे में ..... भगवान जी ने उन्हें माध्यम बनाया है.....

एक बात पर मुझे हमेशा विश्वास है कि अगर सच्चे दिल से कुछ चाहो तो पूरी कायनात आपकी मदद करती है.....

कल्पना गोयल

हमारे प्रेरणा स्त्रोत –

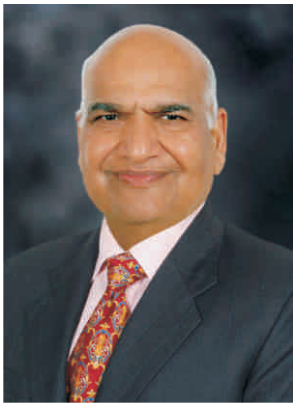

श्री सत्यभूषण जी जैन

कोई भी कार्य चाहे बड़ा हो या छोटा किसी एक व्यक्ति के करने से नही होता है और जिस तरह का कार्य ''तारा'' कर रही है उसमें तो बहुत सारे लोगों का सहयोग चाहिये क्योंकि इस काम में देने वाला कोई है और पाने वाला कोई है। और माध्यम है ''तारा'', लेकिन निरंतर काम करने के लिए बहुत सारे लोगों की आवश्यकता होती है क्योंकि सभी लोग अपनी–अपनी सामर्थय के अनुसार सहयोग करते हैं तो कभी किसी के, और कभी किसी और के सहयोग से काम निरंतर होता रहता है.....

इस लेख में कई बार तारा संस्थान के साथ जुडे महानुभावों का परिचय कराया है जो स्वयं भी देते है साथ ही और भी बहुत से लोगों को प्रेरित करते हैं ताकि वे भी एक अच्छे काम से जुड़ सके..... ऐसे ही एक व्यक्ति हैं श्री सत्यभूषण जी जैन जो तारा के संरक्षक भी हैं।

जैन सा. से हमारा परिचय नारायण सेवा संस्थान के समय से ही है लेकिन तारा के प्रारंभ के बाद, आज से लगभग ढाई वर्ष पूर्व दिल्ली में कल्पना जी और मैं उनसे मिले थे और पहली मुलाकात में ही उन्होंने ऋषभ विहार जैन स्थानक में अपने सास ससुर जी की तरफ से एक शिविर करवाने की सहमती दे दी थी ..... उसके बाद जैन सा. ने प्रतिमाह एक शिविर अपने माता पिता की पुण्य स्मृति में करवाने का निश्चय किया और तब से अब तक 42 शिविर उनके सौजन्य से हुए हैं।

इसके अलावा श्री जैन सा. ने अपने स्वर्गीय ससुर जी सा. की स्मृति में एक वैन संस्थान का भेंट कराई जो कि दिल्ली में रोगियों को लाने व ले जाने में बहुत काम आ रही है।

श्री जैन सा. स्वयं समर्थ हैं और अपने सामर्थ्य के अनुसार कार्य करवाते ही हैं लेकिन एक अतिमहत्वपूर्ण कार्य जो उन्होने किया है वो अपनी पहचान वाले और लोगों को संस्थान से जोड़ना.....श्री जैन सा की प्रेरणा से उनके साले श्री विनय जी, ओकाया फाउण्डेशन, पॉन्टी चड्ढा फॉउण्डेशन, श्री एस एस अग्रवाल, वैश्य मित्र सभा और भी बहुत से व्यक्ति और संस्थाओं के माध्यम से कई शिविर करवाए।

और यही बात कहना चाहता हूँ कि एक व्यक्ति के अंदर कितनी क्षमता होती है, सत्यभूषण जी जैन सा. ने चाहा और उनकी प्रेरणा से हजारों लोगों का भला हो गया.....

कुछ वर्ष पूर्व श्री जैन सा. का एक ऑपरेशन हुआ उसके बाद से वे पूर्णतया समर्पित होकर सिर्फ सेवा कर रहे हैं। देर रात हो या सुबह जल्दी जैन सा. बस दोड़ते रहते है और यह सब कुछ समाज के लिए है.....अभी हाल में आचार्य महाश्रमण जी के चतुर्मास में जैन सा. सुबह 5 बजे उठकर आचार्य जी के पास उनके भ्रमण के समय पहुंचते हैं। चाहे रात में 12 – 1 बजे ही सोए हों।

श्री जैन सा. के इस काम में उनकी पत्नी श्रीमती सुषमा जी, दोनो पुत्र–पंकज जी और पियूष जी और परिवार का पूरा सहयोग रहता है.....

श्री सत्यभूषण जी जैन को समाज के लिए पूर्णतया समर्पित व्यक्ति कह सकते हैं। हम तो ईश्वर से यही प्रार्थना करेंगे कि वो श्री जैन को और शक्ति प्रदान करे जिससे वे और बहुत से लोगों के दुख दूर करने का माध्यम बनें।

दीपेश मित्तल

गौरी योजना

आशा त्रिपाठी (उम्र 28 वर्ष) दो बच्चों की विधवा माँ है। वह अत्यन्त निर्धन एवं बेसहारा है। इसके अतिरिक्त इनके पास रहने को घर नहीं, सो किराए से रहती है। एवं स्कुल जाते एक बच्चा (14 वर्षिय) एवं एक पुत्री (12 वर्षिय) का न सिर्फ, पालन पोषण बल्कि पढ़ाई का भी खर्चा उठाना पड रहा है। वे स्वयं दूसरो के घरो में घरेलु कार्य करके जैसे तेसे गुजारा करती है। परन्तु अक्सर बीमार रहने की वजह से भारी आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जब तारा संस्थान को इनकी विषम परिस्थितियों की सूचना मिली तो उन्हें गौरी योजना में सम्मिलित करके रूपये 1000/ प्रतिमाह की राशि सीधे इनके बैंक खाते में जमा करवाई जा रही है जिससे इन्हे जीवन जीने की आशा पुनः जगी है।

वन्दना बेन भट्ट, निवासी – विजय नगर जिला बनासकांठा गुजरात अनाथ एवं विधवा है। इनके उपर न सिर्फ चार पुत्रियों की बल्कि 80 वर्षिय सास की भी जिम्मेवारी है। इनकी बडी पुत्री 15 वर्ष व सबसे छोटी मात्र 3 महिने की है। वंदना अनपढ है एवं कोई काम धंधा भी नही है। इसके अतिरिक्त इनके पास न तो जमीन जायदाद है ना ही कोई सहारा देने लायक रिश्तेदार। सो इनकी स्थिति अत्यंत गंभीर एवं संघर्षमय है। अतः एव तारा संस्थान ने इन्हे गौरी योजना में सम्मिलित कर 1000 रूपया प्रतिमाह की आर्थिक सहायता करके इन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का प्रयास किया है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

जब घर में धन और नाव में पानी आने लगे, तो उसे दोनों हाथों से निकालें, ऐसा करने में बुद्धिमानी है। हमें धन की अधिकता सुखी नहीं बनाती। – संत कबीर

तृप्ति योजना

कान जी पटेल : इसे तो निर्धनता की पराकाष्ठा ही कहेंगें। न तो जमीन–जयादाद न ही कोई काम धंधा या खेती बाड़ी । उपर से बुढ़ावे की लाठी कहलाने वाली संन्तान तक नहीं। अति निर्धन कान जी पटेल (70 वर्ष) चावण्ड (जिला उदयपुर) के निवासी हैं। तारा संस्थान को जब इनकी वस्तु:स्थिति का पता लगा तो उन्हें तृप्ति योजना में लेकर उनके जीवन–यापन का तो प्रबंध कर दिया। अब उन्हें उनका राशन एवं 300 रूपये प्रतिमाह उनके घर पर दिये जा रहें है।

रूपा पटेल : 65 वर्षिय रूपा गाँव चावण्ड, जिला उदयपुर निवासी है। ये बहुत गरीब, अनपढ़ एवं पुत्र विहिन हैं। इनके पास कुल आधा बिघा जमीन है वो भी असिंचित। बुढ़ापें में गुजारे का काई साधन नहीं । नही कोई नाते – रिश्तेदार सहारा देने को। इनकी एक मात्र पुत्री सुसराल में रहती है। अब जाएं तो जाएं कहां। इन्हें तारा संस्थान ने तृप्ति योजना के अन्तगर्त प्रतिमाह राशन व नगद देकर सम्बल प्रदान किया है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि

रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

प्यार देकर बढ़ता है। जो प्यार हम दूसरों को देते हैं वही हमारे साथ रहता है। प्यार को बनाये रखने का एक ही तरीका है और वह है बाटने का।

नये आवासी

गोपाल सिंह (61 वर्ष) गोगुन्दा (उदयपुर) के निवासी हैं। इनके दो पुत्र एवं एक पुत्री होने के बावजूद ये अपनी बहन यशोदा के घर अपनी माता के साथ पिछले 10 साल से रह रहे थे। कारण था – अपनी पत्नि से अनबन एवं पुत्रों द्वारा देखभाल न करना। किन्तु अब बहनोई भी रिटायर हो चुके है एवं उनके परिवार के सदस्य बढ़ जाने के कारण वे भी गोपाल सिंह को सहारा देन में असमर्थ हो गए थे। सो इनकी स्थिति काफी दयनिय हो गई थी। इन्हें तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में दिनांक 01 अक्टूबर, 2014 से आश्रय मिला तो लगा कि भगवान ने सुन ली। अब राहत के साथ अपने जैसे अन्य साथियों के साथ जीवन–यापन कर रहे हैं।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क हैं।

लोगों के दो प्रकार

दुनिया में दो तरह के लोग हैं देने वाले, और लेने वाले। लेने वाले अच्छा खाते है, और देने वाले अच्छी तरह सोते है। देने वालों में ऊँचे दर्जे के आत्म-सम्मान की भावना होती है। उनका नज़रिया सकारात्मक होता हैा ऐसे लोग समाज की सेवा करते है ''समाज की सेवा'' करने वालों में राजनीतिज्ञ बन बैठे उन घटिया दर्जे के पाखंडी नेताओं से मतलब नहीं है जो दूसरों की सेवा करने का नाटक करते हुए खुद अपनी सेवा करते है।

हम अपनी जीविका जो हमें मिलता है उससे चलाते हैं
लेकिन हम दान देकर किसी की जिन्दगी बनाते हैं।

मोतियाबिन्द जाँच –ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

मोतियाबिन्द ऑपरेशन से लाभान्वित रोगी – अक्टूबर, 2014

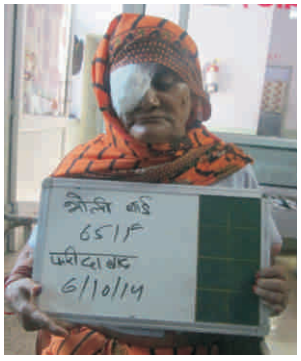

श्रीमती भोली बाई / फरीदाबाद

श्रीमती विमला रानी, दिल्ली

श्री जसवंत सिंह, दिल्ली

श्रीमती सकल पातो, दिल्ली

श्री नरोत्तम, मुम्बई

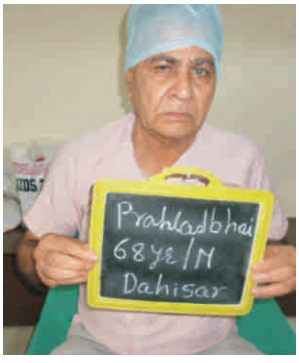

श्री प्रहलाद भाई, मुम्बई

श्री मोती लाल, मुम्बई

श्री उत्तम भाई, मुम्बई

श्रीमती गंगा बाई, उदयपुर

श्री जमीलुद्दीन, उदयपुर

श्रीमती रेहमत बेगम, उदयपुर

श्रीमती नारी बाई, उदयपुर

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

एक व्यक्ति का मन इस बात में होता है की वह क्या दे सकता है,
इसमें नहीं की वह क्या पा सकता है।

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटो

रोगी पूछताछ एवं पंजीकरण करवाते हुए

सौजन्य : जय श्री कृष्णा

दिनांक : 01.10.2014, स्थान : प्रेम नगर, नई दिल्ली – 86

ओपीडी : 1765, चयनित रोगी : 11, चष्मे : 575, दवाई : 1485

ओ.पी.डी. में प्रतीक्षारत रोगी

सौजन्य : श्री बंषी लाल मैंदा सा., मुम्बई

दिनांक : 04.10.2014, स्थान : तारा नेत्रालय, मुम्बई

ओपीडी : 82, चयनित रोगी : 10, चष्मे : 5, दवाई : 5

आँखों की डॉक्टरी जाँच

सौजन्य : श्री नवल किशोर जी गुप्ता एवं सहयोगी

दिनांक : 05.10.2014, स्थान : एन.आई.टी., फरीदाबाद

ओपीडी : 500, चयनित रोगी : 20, चष्मे : 198, दवाई : 480

दवाई वितरण का एक दृश्य

सौजन्य : पदमा केबल इण्डस्ट्रीज, बवाना, दिल्ली

दिनांक : 08.10.2014, स्थान : बुराडी, दिल्ली – 84

ओपीडी : 492, चयनित रोगी : 22, चष्मे : 181, दवाई : 485

सम्मानित दानदाताओं का चित्र

सौजन्य : हर षिव श्री ट्रस्ट (यू.के.), हाथरस (यू.पी.)

दिनांक : 12.10.2014, स्थान : हाथरस (यू.पी.)

ओपीडी : 1600, चयनित रोगी : 70, चष्मे : 930, दवाई : 1510

जाँच का एक अन्य दृश्य

सौजन्य : श्रीमान राघव भाई एच. मागुकिया, निवासी – सुरत (गुजरात)

दिनांक : 13.10.2014, स्थान : तारा संस्थान, उदयपुर (राज.)

ओपीडी : 117, चयनित रोगी : 15, चष्मे : 25, दवाई : 115

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटो

डॉक्टर एवं मशीन द्वारा जाँच

सौजन्य : श्री महेन्द्र कुमार एवं श्रीमती कान्ता जैन
दिनांक : 16.10.2014, स्थान : तारा संस्थान, उदयपुर
ओपीडी : 108, चयनित रोगी : 12, चष्मे : 38, दवाई : 76

चश्मे वितरण का दृश्य

सौजन्य : लाग्राण्डे हर्ब्स एण्ड फॉर्मा लिमिटेड, हरिद्वार
दिनांक : 18.10.2014, स्थान : गाजियाबाद (यू.पी.)
ओपीडी : 680, चयनित रोगी : 20, चष्मे : 321, दवाई : 660

एक मरीज आँखों की जाँच करवाते हुए

सौजन्य : बीकानेर समस्त शहरवासी, बीकानेर
दिनांक : 19.10.2014, स्थान : पब्लिक पार्क, बीकानेर (राज.)
ओपीडी : 170, चयनित रोगी : 20, चष्मे : 30, दवाई : 145

महिला बुजुर्ग की आँखों की जाँच

सौजन्य : श्री लेहरी भाई स्व. भंवर लाल जी भोगर, निवासी–सायरा (कलवाणा)
श्रीमती सुषीलाबेन सोहनलाल वर्तमान, निवासी – सूरत (गुज.)
दिनांक : 19.10.2014, स्थान : सायरा, गोगुन्दा, जिला – उदयपुर (राज.)
ओपीडी : 250, चयनित रोगी : 25, चष्मे : 25, दवाई : 185

आँखों की जाँच होते हुए

सौजन्य : श्रीमती मनोरमा जी धवल, निवासी – बसन्त विहार, दिल्ली
दिनांक : 26.10.2014, स्थान : नरेला, दिल्ली – 40
ओपीडी : 395, चयनित रोगी : 02, चष्मे : 261, दवाई : 350

एक बुजुर्ग जाँच करवाते हुए

सौजन्य : भारत वेलफेयर ट्रस्ट, यू. के.
दिनांक : 26.10.2014, स्थान : गाँव – करणपुर, उदयपुर (राज.)
ओपीडी : 208, चयनित रोगी : 32, चष्मे : 225, दवाई : 180

शिविर सौजन्य

OKAYA® Foundation ...Happiness forever

के सौजन्य से माह अक्टूबर 2014 में शिविर आयोजित

भारत की अग्रणी पावर कम्पनी ओकाया पावर लिमिटेड के सौजन्य से मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों की चिकित्सा के लिए अक्टूबर 2014 में 11 शिविर आयोजित करवाए गए। इस अवधि में आयोजित शिविरों का विवरण निम्नानुसार है–

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
01 अक्टूबर, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरु अमर दास, 14/21, तिलक नगर, दिल्ली – 18	275	11	103	251
01 अक्टूबर, 2014	अष्टवक्र रिहेबिलिटेशन सेंटर, मधुबन चौक, रोहिनी, दिल्ली	160	05	70	155
02 अक्टूबर, 2014	विनोद गुप्ता एल ब्लॉक, गीता मंदिर, मोहन गार्डन, नई दिल्ली 59	576	20	162	510
04 अक्टूबर, 2014	राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, डी 58, मधु विहार, पोस्ट उत्तउ नगर, दिल्ली 59	252	06	110	225
05 अक्टूबर, 2014	गीता भवन मंदिर, सभा पुराना मार्केट, तिलक नगर, नई दिल्ली	231	05	107	201
06 अक्टूबर, 2014	एस. 2/22, पुराना महावीर नगर, नई दिल्ली 18	285	16	108	285
07 अक्टूबर, 2014	मन्जु जी आर. जेड. 77, स्ट्रीट नं. 2 वीर नगर, वे. सागरपुर, नई दिल्ली	239	08	110	235
08 अक्टूबर, 2014	बी – 236, रिशाल गार्डन, वाली गली, नई दिल्ली 41	575	25	150	300
09 अक्टूबर, 2014	शिव मंदिर के पीछे, बारात घर गाँव रनहौल, नई दिल्ली 41	325	06	160	300
10 अक्टूबर, 2014	श्री कृष्णा मंदिर धर्मशाल, फर्नीचर मार्केट, नांगलोई स्टेण्ड, दिल्ली 43	285	11	84	275
10 अक्टूबर, 2014	महासती श्री प्रवेश कुमारी जी, सी – 1/8, उत्तम नगर, दिल्ली 59	390	10	195	310
11 अक्टूबर, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा, किरण गार्डन, 714, उत्तम नगर, दिल्ली 59	146	08	85	145
13 अक्टूबर, 2014	श्री सनातन धर्म मंदिर, टी कैम्प, हस्तसाल गाँव, विकासपुरी, दिल्ली 59	275	11	156	258

क्रमशः अगले अंक में

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

षिविर में रजिस्ट्रेषन कराते नेत्र रोगी

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
12 अक्टूबर, 2014	धर्मषील कम्युनिटी हॉल युथ सर्कल, मुलुण्ड कॉलोनी, मुलुण्ड (पं.)	151	17	55	45
26 अक्टूबर, 2014	गुरुद्वारा कलगीधर सभा रमानी कम्पाउण्ड, लिंक रोड़, दहीसर (ई.)	178	19	30	59

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

स्वास्थ्य : दूब (घास) के स्वास्थ वर्द्धकगुण

दूब को गाय, भैंस, घोड़ा, बेल, हाथी, बकरी, हिरण, खरगोश आदि बडे चाव से खाते है तथा स्वस्थ एवं ताकतवर रहते है। इस दूब में विटामिन 'ए' एवं विटामिन 'सी' काफी मात्रा में पायी जाती है। इसलिए कभी किसी जानवर को चश्में की जरूरत नही पडी, न ही उन्हें जुकाम होता है।

परन्तु मनुष्य के विभिन्न रोगों में भी दूब दवा के रूप में उपयोगी है इसके कुछ प्रभाव मनुष्य जीवन में दिखते है।

- **आखों के लिए लाभकारी है दूब :- दूब में विटामिन अधिक मात्रा में होती है अत: नरम कोपलों वाली दूब को धोकर सलाद में काट कर खा सकतें है अथवा दूब को पीसकर मिश्री मिलाकर खाली पेट सुबह सायं सेवन करे तो आखों की रोशनी की रक्षा होती रहेगी तथा नज़र कमजोर नहीं होगी।**
- **रक्त शुद्ध करती है :- यदि नरम-नरम 10 ग्राम दूब को प्रात: चबाकर रस चूसें अथवा पीसकर जल के साथ पी ले तो 2-3 सप्ताह में रक्त को शुद्ध करेगी तथा रक्त बढाएगी।**
- **शरीर में पित का प्रकोप हो :- यदि शरीर में पित की अधिकता हो तो दूब का स्वरस 2-3 चम्मच मिश्री मिलाकर दिन में 3 बार , 2 सप्ताह सेवन करे। पित शान्त हो जायेगा।**
- **लू लगने पर :- यदि लू लग जाए तो दूब पीसकर माथे में तथा पैरों में ठंडी ठंडी लेप करना चाहिए । इसे पीसकर मिश्री मिलाकर ठंडाई बनाकर भी पिएं इससे लाभ होगा। इसके अतिरिक्त दूब पीसकर, कच्ची आमी भूनकर दोनों का रस मिलाकर थोडा नमक डालकर पिलाने से अधिक लाभ होगा।**
- **नकसीर फूटने पर : यदि ग्रीष्मकाल में नकसीर फूटने की शिकायत हो तो 10-15 मि.ली. दूब स्वरस मिश्री डालकर शीतल जल से दिन में 3-4 बार लेने से नकसीर ठीक हो जाती है। इसका स्वरस नाक में भी 4-5 बूंद टपका देना चाहिए।**

जीवन की माप उसके अवधि से नहीं बल्कि उसके दान से है।

हमारे दानवीर भामाशाह : एक परिचय

श्री प्रवीण जी शास्त्री पिपलोद (सुरत)के व्यवसाई है।

आप विगत तीन वर्षो से संस्थान से जुडे हुए है। इनका रियल स्टेट एजेन्ट का व्यवसाय है। आपके एक पुत्र एवं एक पुत्री है। आप उदयपुर आकर संस्थान विजिट करके गये है, आप स्वयं डोनेशन देते है। दूसरों को प्रेरणा देकर संस्थान को सहयोग दिलाते है। आपके पिता श्री बालकृष्ण मणिशंकर जी शास्त्री संस्कृत के विद्वान थे और ब्राह्मण का कार्य करते थे जिनसे इन्होंने सेवा भावना की प्रेरणा ली है। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद है कि आप संस्थान के सेवा कार्य में अपना तन–मन–धन से योगदान दे रहे है।

श्री प्रवीण जी शास्त्री

श्री लक्खी जी बत्रा

श्री लक्खी बत्रा जी मुम्बई के प्रोपर्टी और फाईनेन्स व्यवसायी है। इन्होने बोम्बे यूनिवर्सिटी से बी.कॉम. किया है। इनके एक पुत्र एवं पुत्री हैं।

पिछले 5–6 वर्षों से बत्रा जी सपत्नि तारा संस्थान एवं नारायण सेवा संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों से जुड़े हुए हैं।

लक्खी बत्रा जी ने तारा नेत्रालय, मुम्बई में ऑपरेशन थिएटर बनवाने व 100 ऑपरेशन हेतु सहयोग प्रदान किया है।

तारांशु परिवार श्रीमान बत्रा जी एवं उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते है।

दान जरूर करें।

एक संत का नियम था, प्रातःस्नान करने के बाद वह जब तक किसी भूखे को भोजन न करवा ले, स्वयं भोजन नहीं करता था। एक दिन ऐसा हुआ कि उसे कोई भी भूखा व्यक्ति नही मिला, बहुत समय बीत गया तो वह स्वयं अतिथि की खोज में निकल पड़ा । उसे एक वृद्ध व्यक्ति दिखाई दिया, वह तुरन्त उसके पास गया और उसे भोजन के लिये बुला लाया। घर में पहुंच कर संत ने उसके सामने तरह–तरह के पकवान खाने के लिये रख दिये। वृद्ध खाना देखते ही झटपट खाने लगा तो संत को क्रोध आ गया, वह वृद्ध से बोला–''तुम्हारा यह कैसा व्यवहार कि जिसकी कृपा से तुम्हें आज तरह–तरह के पकवान खाने को मिले हैं, उस ईश्वर का धन्यवाद तक नहीं किया और खाने लगे। तब वह वृद्ध बोला ''मैं ईश्वर को नहीं मानता मैं नास्तिक हूँ।'' ऐसा सुनते ही संत और भी क्रोध से भर उठा और उसने उसी समय उस वृद्ध को घर से बाहर निकाल दिया। लेकिन अगले ही क्षण संत के हृदय में देव–वाणी हुई– ''मैने जिस वृद्ध को इतनी उम्र तक भोजन दिया और उसे सहन किया, तुम उसे घड़ी भर भी सहन नहीं कर सके, और उससे घृणा करने लगे हो, तुम कैसे संत हो अरे यदि वह नास्तिक है तो फिर भी तुमने दान से अपना हाथ क्यों खींचा।'' संत को अपनी भूल का एहसास हुआ और वह वृद्ध को फिर घर ले आया और उसे आदर से भोजन करवाया। कहा भी गया है–

भूखे को भोजन, नंगे को वस्त्र, रोगी को दवाई। बिना भेद–भाव ये तीनों दान तुरन्त दे दो भाई।।

अथार्त भूखे को भोजन, नंगे को वस्त्र, बीमार को दवाई का दान करते वक्त किसी तरह भी सोच–विचार की जरूरत नहीं करनी चाहिये। ये तीन दान तो तुरन्त कर दिये जाने चाहिये। इस के लिये पात्र–कुपात्र, जात–पात का भेद–भाव नहीं देखना चाहियें। हां, धन को दान में देते हुए सोच–विचार जरूर करना चाहिए। धन का दान हर तरह देख–भाल करके और परख कर करना चाहिये। धन का दान उस व्यक्ति या संस्था को ही करना चाहिए कि जो पैसा आप दान में दे रहे हैं वह मेहनत की कमाई का हो, क्योंकि बिना मेहनत और गलत तरीके से कमाया गया पैसा धर्म की दृष्टि से दान, देने के योग्य नहीं होता। दान और भी है जैसे विद्या–दान, किसी गरीब को निःशुल्क शिक्षा देना। नेत्र–दान, जिससे किसी दृष्टिहीन को दृष्टि मिलती है और देह–दान, जो मेडिकल छात्रों के काम में आती है। यदि आपके पास अपने उपयोग के बाद धन बचता है तो दान जरूर करें, कहा भी गया है–

नाव में पानी बाढ़े, घर में बाढ़े दाम। दानों हाथ निकालिये, यह सन्तन का काम।।

संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री नौरतमल जी, अजमेर (राज.)

श्री शंकर लाल कुमावत, अजमेर (राज.)

श्री कृतिष एवं श्रीमती सोनिका तिवारी, भुंगा, होशियारपुर

श्री राजेश जी मित्तल एवं मित्रगण, सुरत

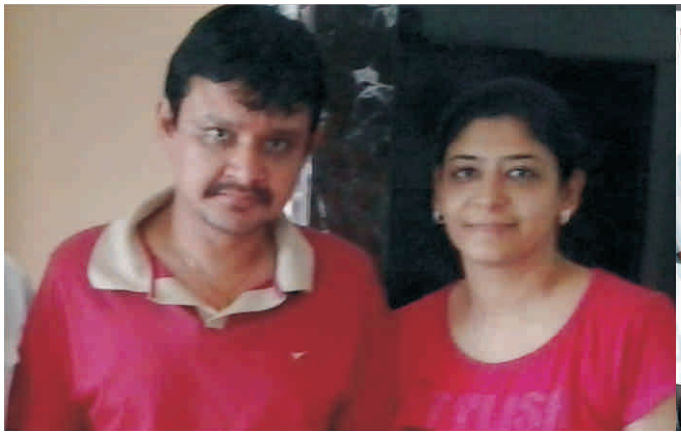

श्री प्रणव बी. कांगलवाला धर्मपत्नि के साथ, सुरत

श्री कवित जी, श्री राधाकिशन जी अग्रवाल, श्री रमेश जी मित्तल, सुरत

आप भी 8000/- रु. देकर एक बच्चे की वर्ष भर की शिक्षा का खर्च वहन कर सकते है, जिसमें शामिल है.... वार्षिक फीस, मासिक फीस, किताबें, कॉपी, स्टेशनरी, बेग, परिवहन व्यवस्था

तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया

श्री टी.एन. कंसल, जयपुर (राज.)

श्री रवि अग्रवाल, कानपुर

श्री कमलकांत शर्मा, इन्दौर (म.प्र.)

श्री शांति लाल कोठारी, इन्दौर (म.प्र.)

श्री अनंगपाल सिंह जी चौहान, गुडगांव

श्री डी. डी. वैश्य, बरेली –
श्री एवं श्रीमती बीना रानी अग्रवाल, फरूखाबाद

तृप्ति योजना सेवा

(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 माह - 1500 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

जीवन जीने का सही शिक्षण

एक बूढ़ा घास खोदने में सवेरे से लगा हुआ था। दिन ढ़लने तक वह इतनी खोद सका था, जिसे सिर पर लादकर घोड़े वालों की हाट में बेचने ले जा सके।

एक सुशिक्षित देर से उस बूढ़े के प्रयास को देख रहा था, सो उसने पूछा – ''क्यों जी, दिन भर परिश्रम से जो कमा सकोगे, उससे किस प्रकार तुम्हारा खर्च चलेगा, घर में तुम अकेले ही हो क्या ?''

बूढ़े ने मुस्कराते हुए कहा – ''कई व्यक्तियों का मेरा परिवार है। जितने की घास बिकती है, उतने से ही हम लोग व्यवस्था बनाते और काम चला लेते है।''

युवक को आश्चर्यचकित देखकर बूढ़े ने पूछा – ''मालूम पडता है तुमने अपनी कमाई से बढ़–चढ कर महत्वाकांक्षाएँ संजो रखी है। इसी से तुम्हें गरीबी में गुजारे का आश्चर्य होता है।'' युवक से और तो कुछ कहने को न बन पड़ा पर अपनी झेंप मिटाने के लिए कहने लगा – ''गुजारा ही तो सब कुछ नहीं है। दान–पुण्य के लिए भी तो पैसा चाहिए।''

बूढ़ा हँस पड़ा। उसने कहा – ''रोजाना में इतनी घास बाजार में बेचता हूँ, उससे मेरे परिवार का पोषण हो जाता है, पर मैंने पडोसियों से माँग–माँग कर एक कुआँ बनवा दिया है, जिससे सारा गाँव लाभ उठाता है। क्या दान–पुण्य के लिए अपने पास कुछ न होने पर दूसरे समर्थों से सहयोग माँगकर कुछ भलाई का काम कर सकना बुरा है क्या?'' युवक चला गया। रात भर सोचता रहा कि महत्वाकांक्षाएँ सँजोने और उन्ही की पूर्ति में जीवन लगा देना ही क्या एक मात्र तरीका है–जीवन जीने का।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09619634392
Shri Bharat Menaria Cell : 08879199188

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा

(प्रतिबुजुर्ग) 01 माह - 5000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

गौरी योजना सेवा

(प्रति विधवा महिला सहायता) 01 माह - 1000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 वर्ष - 12000 रु.

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Mahesh Chand & Mrs. Urmila Agrawal
Agra (U.P.)

Mr. Tulsiram & Lt. Mrs. Triveni Devi
Pathodia, Maalegaon

Mr. Kailash & Mrs. Sangeeta
Nasir

Mr. Mohan Kumar & Mrs. Manju Agrawal
Agra (U.P.)

Mr. Mahaveer Prasad & Mrs. Santosh Goyal
Bikaner (Raj.)

Mr. Mahendra & Mrs. Snehlata Tripathi
Kanpur

Mr. Shanti Lal & Mrs. Jaya Ben Kothari
Indore (M.P.)

Mr. M.L. & Mrs. Mrs. Ram Pyari Meena
Jaipur (Raj.)

Mr. Mukesh & Mrs. Sunita Maheshwari
Indore (M.P.)

Mr. Vijay & Mrs. Rukmani Devi Agrawal
Agra (U.P.)

Mr. P.D. & Mrs. Sarla Gupta
Alighar (U.P.)

Mr. Bijendra Kumar & Mrs. Mithlesh Agrawal
Agra (U.P.)

Lt. Mr. Piyush Pradeep
Bolara, Maalegaon

Mr. Lakhi Chandra
Banarecha

Mr. D.P. Goyal
Agra (U.P.)

Miss. Gauravi Kailash
Nasik

Mrs. N.A. Krishna Lathi
Nasik

Vardan Kaur Minhas
Ramamandi, Jalandhar

Lt. Mr. Naresh Agrawal
Agra (U.P.)

Mrs. Urmila Bargale
Indore (M.P.)

Mr. Satish Kumar Agrawal
Agra (U.P.)

Dr. Snanna Shrivastav
Kanpur

Mrs. Vidhya Gautam
Shimla

Mr. Praveen Bhai Shastri
Surat (Guj.)

Mr. Sahab Ram Poornia
Rawatsar

Mrs. Sushil Smit
Ghaziabad

Mr. Raghav Bhai H.
Magukiya, Surat

Mr. Vipul Mohanlal Thakur
Bhuj (Guj.)

Mr. Rajendra Grover
Ambala Cant. (H.R.)

Mr. Hari Ram Kukna
Shriganganagar (Raj.)

Mr. Divangat Abhishek Kukna
Shriganganagar (Raj.)

एक दानवीर का पत्र*

सेवामें,

तारा संस्थान
हिरण मगरी, उदयपुर

दिनांक : 14.10.2014

आदरणीय कल्पना जी,

पिछले 4–5 महीनों से मैं अस्वस्थ हूँ और बिस्तर पकडा हुआ हूँ। इसलिए मै संस्थान को कोई मदद नहीं पहुंचा सका। फिर भी चूंकि मैं इस संस्थान से पिछले 4–5 सालों से जुड़ा हुआ हूँ एवं जुड़ा रहुंगा–जब तक परमेश्वर साथ देगा मेरी भावनाएं सदा निर्धन, निःशक्त लोगों के साथ रहेगी।

अभी इस पत्र के साथ मैं रूपये 5000/– पीएनबी का चैक नं 095865 दिनांक 14.10.2014 का भेज रहा हूँ जिसके द्वारा आप किसी जरूरतमंद का आंखों का ऑपरेशन करवाने की कृपा करें।

हस्ताक्षर

राम करण
म.न. 813, सेक्टर–17
फरीदाबाद

*मूल अंग्रेजी पत्र से अनुवाद।

प्रेरणा

भाग्य उसकी मदद करता है, जो अपनी मदद खुद करते हैं

एक कस्बे में बाढ़ आई। एक आदमी के सिवा वहाँ रहने वाले हर आदमी ने अपनी जगह नहीं छोडी, उसका कहना था, ''मुझे विश्वास है कि भगवान मेरी रक्षा करेगा।'' पानी का स्तर बढ़ने पर उसे बचाने के लिए एक जीप आई। पर उस आदमी ने यही बात कह कर जाने से इनकार कर दिया। पानी और बढ़ने पर वह अपने मकान की दूसरी मंजिल पर चला गया। तब उसकी मदद करने के लिए एक नाव आयी। उस आदमी ने उसके साथ भी यही कह कर जाने से इनकार कर दिया कि ''मुझे विश्वास है, भगवान मेरी रक्षा करेगा।'' पानी का स्तर बढ़ता जा रहा था। वह आदमी अपने मकान की छत पर चला गया। उसकी मदद के हेलीकॉप्टर आया। लेकिन उस आदमी ने अपनी वही बात फिर दुहराई '' मुझे विश्वास है, भगवान मेरी रक्षा करेगा।'' आखिरकार वह डुब कर मर गया। भगवान के पास पहुंचने पर उसने उनसे गुस्से भरे लहजे में सवाल किया, मुझे आप पर पूरा विश्वास था, फिर आपने मेरी प्रार्थनाओं का अनसुना कर मुझे डूबने क्यों दिया ''भगवान ने जवाब दिया, ''तुम क्या सोचते हो – तुम्हारे पास जीप, नाव और हेलीकॉप्टर किसने भेजा था?''

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

'Paras'
8.20 PM
to 8.40 PM

'Ashtha Bhajan'
8.40 AM
to 9.00 AM

'Ashtha (INDIA)'
sunday
02.30 PM

'Ashtha (U.K.)'
08.30 AM

Helpline Pharmacy
(Run By : Charitable Trust)
संस्था द्वारा दवाईयाँ 50% औसत छूट पर उपलब्ध है।
धार्मिक संस्था की इस दुकान पर मरीज़ों की सहायता के लिए जुकाम से कैंसर तक की सभी विश्वसनीय दवाईयाँ औसतन आधे दामों (50%) पर उपलब्ध है। सभी फायदा लें।
18/4, Main Road, Yusuf Sarai Market, New Delhi-110016
Phone : 46072742, 32049150, 32049151,
E-mail : headoffice@mauria.com Website : www.helplinepharmacy.org

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 — **IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750 — **IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 — **IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491 — **IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426 — **IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462 — **IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967 — **IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, नवम्बर, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 माह - 1500 रु.
06 माह - 9000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा
(प्रति विधवा महिला सहायता)
01 माह - 1000 रु.
06 माह - 6000 रु.
01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 5000 रु.
06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8.20 से 8.40 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	आस्था (भारत) रविवार दोपहर 02.30	आस्था (यू. के.) प्रात: 08.30

बुक पोस्ट

बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org